University in News on 29 January 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5, 7

काठमांडू (नेपाल) में आयोजित जय नेपाल टी-20 कप क्रिकेट टूर्नामेंट की उपविजेता रही लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम। स्रोत : लविवि

लखनऊ विश्वविद्यालय नेपाल में बना उपविजेता

लखनऊ। काठमांडू (नेपाल) में खेले गए जय नेपाल टी 20 कप इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम उपविजेता रही। फाइनल में मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने लखनऊ विश्वविद्यालय को 58 रन से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने निर्धारित 20 ओवर में 175 रन बनाए। जवाब में लखनऊ विश्वविद्यालय नौ विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। इससे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय ने सेमीफाइनल में ढाका विश्वविद्यालय को हराते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। उपविजेता रही लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने 10 लाख नेपाली रुपये की इनामी राशि के साथ मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। लविवि के कुलपति आलोक कुमार राय ने शानदार प्रदर्शन के लिए टीम को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

बीएससी होमसाइंस का रिजल्ट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर की परीक्षाओं के क्रम में मंगलवार को दो विषयों का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी। जिन दो विषयों के परिणाम जारी हुए हैं उसमें बीएससी होमसाइंस, एमसीए व एमसीए तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं शामिल हैं। (संवाद)

पीएचडी के नौ विषयों का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के क्रम में मंगलवार को नौ और विषयों का परिणाम जारी कर दिया। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर विस्तृत कटऑफ सूची देख सकते हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एनवायरनमेंट साइंस, पब्लिक हेल्थ, बॉटनी, मेडुअल एंड मॉडर्न हिस्ट्री, एशियन इंडियन हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी, अरब कल्चर, केमेस्ट्री, अप्लाइड इकनॉमिक्स व अरबी के परिणाम जारी किए गए हैं। (संवाद)

NBT PAGE 3

अनार, हल्दी से खोजा कैंसर को हराने वाला क्वांटम डॉट

क्वांटम डॉट से बिना साइड इफेक्ट दूर होगा कैंसर

साइंस न्यूज

Zeeshan.Rayini
@timesofindia.com

■ लखनऊ: कीमोथेरेपी और कैंसर की दवाओं से कई बार साइड इफेक्ट के कारण मरीजों की स्थिति खराब हो जाती है। इसी से निपटने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय व सेंटर फॉर बायोमेडिकल रिसर्च (CBMR) ने मिलकर शोध किया है जिसके प्रभावी परिणाम भी आना शुरू हो गए हैं। दरअसल अनार के छिल्कों से एलयू के एक शोधार्थी ने क्वांटम डॉट की खोज की है। यह क्वांटम डॉट नैनो पार्टिकल से भी छोटे हैं जिन्हें अब हल्दी से बनाए गए लाइपोसोमल वेसिकल के साथ मिलाकर कैंसर पर प्रयोग किया है। खास बात यह है कि इससे मरीजों में साइड इफेक्ट नहीं होंगे और दवा सीधे मरीजों के कैंसर सेल्स पर असर करेगी।

क्वांटम डॉट की खोज करने वाले एलयू के आयुष शुक्ला ने बताया कि अब तक लोगों ने कार्बन से क्वांटम डॉट बनाए हैं लेकिन हमने अनार के छिलके से 6 नैनोमीटर पर इसे बनाया है। इसके बाद हमने कैंसर पर इसके परीक्षण के लिए हल्दी से लाइपोसोमल वेसिकल तैयार किया क्योंकि क्वांटम डॉट सीधे नहीं दे सकते। दोनों का कैंसर सेल्स पर परीक्षण किया। शुरुआती परिणाम में यह कैंसर सेल्स को 60 फीसदी तक खत्म करने में सफल पाया गया है।

एलयू के फिजिक्स विभाग के शोधार्थी और सीबीएमआर ने मिलकर किया शोध

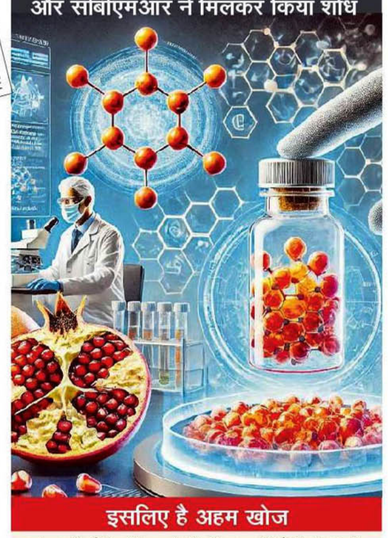

इसलिए है अहम खोज

क्वांटम डॉट नैनो पार्टिकल से भी छोटे कण होते हैं जिन्हें आंखों से नहीं देखा जा सकता है। इनकी प्रकृति चुंबकीय होती है। आयुष शुक्ला ने बताया कि इसे कैंसर पर परीक्षण करने के लिए हमने मरीज में मैग्नेटिक बेल्ट का उपयोग किया। उसके बाद जहां कैंसर था वहां पर इसे दिया गया। ऐसे में यह दवा सीधे कैंसर सेल्स से चिपक गई और उन्हें खत्म करने लगी। यही कारण है कि स्वस्थ्य सेल्स डैमेज नहीं होते क्योंकि यह शरीर में जहां भी कैंसर होता है वहीं जाकर असर करता है। खास बात यह है कि यह किसी एक कैंसर के लिए नहीं है। बल्कि शरीर में होने वाले ज्यादातर कैंसर पर इस तकनीक का प्रयोग किया जा सकेगा। कैंसर के मरीजों में तेजी से इजाफा हो रहा है और भविष्य में इसके मरीजों की संख्या बढ़ेगी। ऐसे में कैंसर के प्रभावी इलाज की खोज एक नई उम्मीद है।

पेट के कैंसर से निजात दिलाएगा प्रोटीन

■ NBT रिपोर्ट,लखनऊ : पेट के कैंसर के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ज्यादातर मामलों में पेट के कैंसर की शुरुआत अल्सर से होती है। गुजरात की प्रो. सिवाप्रिया ने ऐसा प्रोटीन तलाशा है, जो पेट में अल्सर और बाद में कैंसर पैदा करने वाले बैक्टीरिया से निजात दिला सकता है। एलयू के केमिस्ट्री विभाग में हो रही इंडियन सोसायटी ऑफ केमिस्ट ऐंड बायॉलिजिस्ट की अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (ISCBC 2025) के दूसरे दिन मंगलवार को प्रो. सिवाप्रिया ने अपना रिसर्च पेपर पेश किया।

प्रो. सिवाप्रिया ने बताया कि हेलिकोबैक्टर पाइलोरी बैक्टीरिया पेट में अल्सर पैदा करता है। यह 80% लोगों के पेट में मिलता है। हमने ऐसे प्रोटीन की खोज की, जो इसे रोक सकता है। पेट में अल्सर होने पर इसकी डोज देने पर यह कैंसर में तब्दील नहीं होगा। प्री-क्लिनिकल ट्रायल में यह पूरी तरह से कारगर मिला है।

अल्जाइमर से निजात दिलाएगी दवा : यूएसए के डॉ. रंजन वैनर्जी ने बताया कि अभी अल्जाइमर ठीक करने वाली कोई दवा नहीं है। मौजूदा वक्त में इस्तेमाल हो रहीं दवाएं सिर्फ इस बीमारी को धीमा करती हैं। हमने ऐसा इंहिबिटर खोजा है, जो इस एंजाइम के खिलाफ काम करता है। इससे अल्जाइमर के मरीज पूरी तरह ठीक हो सकेंगे।

स्मार्ट मॉलिक्यूल से आसान होगा कैंसर का इलाज: गुजरात के प्रो. निशीथ देसाई ने बताया कि नई दवाओं की खोज में हिट्रोसाइक्लिक कंपाउंड नई उम्मीद है। इसे स्मार्ट मॉलिक्यूल भी कहते हैं। इसकी मदद से एचआईवी, कैंसर समेत कई बीमारियों की नई दवाओं की खोज हो रही हैं। इनमें कई दवाओं के सार्थक परिणाम भी सामने आए हैं। इससे महंगी दवाओं की लागत भी कम की जा सकती है।

HINDUSTAN PAGE 6

जय नेपाल कप का उप विजेता बना एलयू

नेपाली करेंसी में 10 लाख रुपये का पुरस्कार, मिडवेस्ट विवि ने 58 रन से एलयू को हराया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम को जय नेपाल टी20 कप के फाइनल में मिडवेस्ट विवि से हार का सामना करना पड़ा। नेपाल के काठमांडू की त्रिभुवन यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में एलयू टीम को 58 रन से शिकस्त मिली। जिससे टीम को उप विजेता खिताब हासिल हुआ।

फाइनल में मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट खोकर 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एलयू टीम 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 117 रन बना सकी। एलयू से बल्लेबाज मनन कांडपाल ही एकमात्र बल्लेबाज रहे जिन्होंने अर्धशतक बनाकर बड़ी हार से बचाया। इस तरह मिडवेस्ट ने एलयू को 58 रन से हराया। उप विजेता एलयू को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने नेपाली करेंसी में 10 लाख की पुरस्कार राशि, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय क्रिकेट टीम को जय नेपाल टी20 कप के फाइनल में हार मिली।

i-NEXT PAGE 6

पीएचडी के पांच विषयों का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षिक सत्र 2024-25 में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के तहत पांच विषयों का साक्षात्कार के बाद परिणाम जारी कर दिया गया है। चयनित अभ्यर्थियों के लिए फीस पोर्टल मंगलवार को खोल दिया गया है। जिससे वह अपनी फीस जमा कर सकेंगे। एलयू की वेबसाइट पर मेरिट सूची भी जारी कर दी गई है। जिसमें सभी अभ्यर्थी श्रेणीवार रैंकिंग देख सकते हैं।

रिजल्ट घोषित

लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों के विषम सेमेस्टर परीक्षा का परिणाम मंगलवार को घोषित कर दिया गया है। विद्यार्थी बी.एससी होम साइंस तीसरे सेमेस्टर और एम.सीए तीसरे सेमेस्टर के परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं। (जासं)

पीएचडी प्रवेश के लिए एक और सूची

LUCKNOW: एलयू ने पीएचडी प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के बाद मंगलवार को नौ और विषयों की प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी कर दी है. चयनित अभ्यर्थियों का सीट आवंटन और कट आफ भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई. पूर्व में प्राप्त लाग इन आइडी का प्रयोग करके अभ्यर्थी 31 जनवरी तक फीस जमा कर सकते हैं. जिन विषयों की कटआफ जारी हुई है, उसमें पर्यावरण विज्ञान, पब्लिक हेल्थ, वनस्पति विज्ञान, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास, प्राचीन इतिहास और आर्कियोलाजी, अरेबिक, अरब कल्चर, केमिस्ट्री, एप्लाइड इकोनोमिक्स विषय शामिल हैं.

JAGRAN CITY PAGE III

विज्ञानियों ने शोध और नवाचार पर दिया जोर

लखनऊ विश्वविद्यालय में भारतीय रसायनज्ञ और जीवविज्ञानी सोसाइटी का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 30वीं भारतीय रसायनज्ञ और जीवविज्ञानी सोसाइटी (आइएससीबीसी) अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरे दिन मंगलवार को विज्ञानियों ने शोध और नवाचार पर जोर दिया। साथ ही नई तकनीकी के उपयोग पर चर्चा की। कार्डिफ विश्वविद्यालय के प्रो. दीपक पी रामजी ने एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज (एसीवीडी) के बढ़ते खतरे और प्राकृतिक उत्पादों से इसके संभावित उपचार को बताया।

पोलैंड के वारसा विश्वविद्यालय की कैरोल ग्रीला ने फार्मास्युटिकल क्षेत्र में ओलेफिन मेटेथेसिस के उपयोग की नई तकनीकों पर बात की। न्यूयार्क के मेडगर एवर्स कालेज के प्रो. आलम नूर-ए-कमल ने कोशिका कार्यों के महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रेस जीटीपेस और कैंसर के बीच संबंधों को स्पष्ट किया।

यूनिवर्सिटी आफ ह्यूस्टन की प्रोफेसर रचना सदाना ने कैंसर उपचार के लिए नए अणुओं के डिजाइन पर आधारित शोध प्रस्तुत किया। प्रो. वीरेंद्र एन पांडे ने हेपेटाइटिस सी से हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के विकास पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. लियोनिद जी वोस्क्रेसेंस्की और प्रो. एरिक वी वैन डेर ऐकेन ने नई रसायनिक प्रतिक्रियाओं और अणुओं की सिंथेसिस पर अपने शोध प्रस्तुत किए। सम्मेलन में करियर को लेकर एक कार्यशाला भी हुई।

लवि के रसायन विज्ञान विभाग में सम्मेलन में वैज्ञानिक व शिक्षाविद • जागरण

पीएचडी प्रवेश के लिए एक और सूची जारी

जासं • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएच.डी प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के बाद मंगलवार को नौ और विषयों की प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी कर दी है। चयनित अभ्यर्थियों का सीट आवंटन और कट आफ भी वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई। पूर्व में प्राप्त लाग इन आइडी का प्रयोग करके अभ्यर्थी 31 जनवरी तक फीस जमा कर सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव की ओर से जारी सूचना के अनुसार जिन विषयों की कटआफ जारी हुई है, उसमें पर्यावरण विज्ञान, पब्लिक हेल्थ, वनस्पति विज्ञान, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास, प्राचीन इतिहास और आर्कियोलाजी, अरेबिक, अरब कल्चर, केमिस्ट्री, एप्लाइड इकोनोमिक्स विषय शामिल हैं।

'ग्रीन हाइड्रोजन तकनीकों को अपनाएं विद्यार्थी'

जासं • लखनऊ: इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी (आइइटी) के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स विभाग में मंगलवार को ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 'इंडस्ट्रियल एनर्जी एफिशिएंसी एंड डेकार्बोनाइजेशन यूजिंग वर्चुअल रियलिटी बेस्ड डिजि-टिवन ट्रेनिंग सिम्युलेटर' विषय पर आधारित था। इसमें वर्चुअल रियलिटी तकनीक की मदद से ऊर्जा दक्षता बढ़ाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के तरीके बताए गए।

संस्थान के निदेशक प्रो. विनीत कंसल ने ग्रीन हाइड्रोजन जैसी तकनीकों को अपनाने और ग्रीन एनर्जी के नए स्रोत खोजने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। प्रो. नीलम श्रीवास्तव ने ग्रीन रिन्यूएबल इलेक्ट्रानिक्स के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। यूपी नेडा के गिरीश कुमार ने विद्यार्थियों को रिन्यूएबल और ग्रीन एनर्जी के बीच अंतर समझाते हुए ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के लिए यूपी नेडा के प्रयासों की जानकारी दी। नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल के डायरेक्टर एम ज्वेल फ्रैंकलिन और एम नटराजन ने वर्चुअल रियलिटी उपकरणों का प्रत्यक्ष प्रदर्शन कर विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल उपकरणों के उपयोग के बारे में बताया। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनुराग त्रिपाठी ने यूपी नेडा, नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल और ग्रीन ट्री बिल्डिंग एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड का आभार जताया।

इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रानिक्स विभाग में ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित करते निदेशक प्रो. विनीत कंसल • जागरण

AMRIT VICHAR PAGE 4

क्रिकेट : लखनऊ विश्वविद्यालय टीम बनीं उपविजेता

अमृत विचार, लखनऊ: जय नेपाल टी-20 कप इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू के मुख्य ग्राउंड पर फाइनल मैच लखनऊ विश्वविद्यालय व मिडवेस्ट विश्वविद्यालय के बीच में खेला गया। मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 117 रन बनाए। इस प्रकार मिडवेस्ट विवि ने लविवि को 58 रन से पराजित किया।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के पांच विषयों का परिणाम घोषित

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने शोध में प्रवेश के लिए 9 विषयों का परिणाम जारी कर दिया है। सत्र 2024-25 में पीएचडी प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद पर्यावरण विज्ञान, पब्लिक हेल्थ, वनस्पति विज्ञान, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास, प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व, अरबिक भाषा, अरब संस्कृति, रसायन विज्ञान और अप्लाइड अर्थशास्त्र में पीएचडी के लिए परिणाम जारी कर दिया है। चयनित छात्र अपनी लॉगिन आईडी का प्रयोग करके 31 जनवरी तक अपना शुल्क जमा कर सकते हैं।

बीएससी होम साइंस और एमसीए का परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी होम साइंस (नई शिक्षा नीति) और एमसीए विषम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। विद्यार्थी अपना परिणाम विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

PIONEER PAGE 4

कार्डियोवैस्कुलर डिजीज के पीछे मोटापा मधुमेह व हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया जिम्मेदार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे 30वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दूसरा दिन प्रोफेसर दीपक पी. रामजी, डिप्टी हेड, स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, कार्डिफ विश्वविद्यालय द्वारा एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज पर दी गई रोचक प्लेनरी लेक्चर के साथ शुरू हुआ। उन्होंने इस बीमारी के वैश्विक प्रभाव को उजागर किया, जो वैश्विक मौतों का एक तिहाई कारण है। उन्होंने बढ़ते जोखिम के कारकों जैसे मोटापा, मधुमेह, और हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया और वर्तमान उपचारों की सीमाओं पर चर्चा की, जिनमें दवाओं के परीक्षणों में विफलता और दुष्प्रभाव शामिल हैं। प्रोफेसर रामजी के शोध का ध्यान प्राकृतिक उत्पादों जैसे पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड और पॉलीफेनोल्स के सुरक्षात्मक प्रभावों पर केंद्रित है, जो एसीवीडी और अन्य सूजन संबंधी बीमारियों जैसे नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज से लड़ने में सहायक हो सकते हैं।

एक अन्य प्लेनरी लेक्चर में कैरोल ग्रीला ने वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड से रूथेनियम-केटैलेज्ड ओलेफिन मेटेथेसिस पर चर्चा की। जिसका उपयोग फार्मास्यूटिकल और टार्गेट-ओरिएंटेड सिंथेसिस में किया जा सकता है। उन्होंने तीन नई विधियों को प्रस्तुत किया। जिनसे वर्तमान चुनौतियों का समाधान मिल सकता है और ओलेफिन मेटेथेसिस के जटिल सिंथेसिस में व्यापक उपयोग को बढ़ावा मिल सकता है।

प्रोफेसर रचना सादाना, यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, डाउनटाउन के शोध में कैंसर के इलाज के लिए नए अणुओं के डिज़ाइन और परीक्षण पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनसे कोशिका जीवन प्रत्याशा को 50फीसद तक कम किया गया और अपोप्टोसिस प्रेरित की गई प्रोफेसर लियोनिद जी. वोस्क्रेसेंस्की ने फार्माकोफोर ग्रुप्स वाले नाइट्रोजन युक्त अणुओं की सिंथेसिस पर चर्चा की, जहां उन्होंने इलेक्ट्रॉन-घटित अल्काइन्स और अल्केन्स का उपयोग किया। प्रोफेसर एरिक वी. वैन डेर ऐकेन ने स्मॉल हेटेरोसायकल्स की सिंथेसिस के लिए हल्के प्रतिक्रियात्मक तरीकों पर अपनी व्याख्यान दिया और स्पाइरोइंडोलिन्स और स्पाइरोइंडोल्स की सिंथेसिस पर अपने नए शोध के बारे में बताया।

जय नेपाल कप में लवि वना उप विजेता

जासं • लखनऊ: त्रिभुवन विश्वविद्यालय नेपाल में आयोजित जय नेपाल कप टी-20 इंटरनेशनल इंटर यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट में फाइनल जीतने का सपना लखनऊ विश्वविद्यालय का अधूरा रह गया। फाइनल में मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने 58 रन से मैच जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। लखनऊ की टीम उप विजेता रही।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी मिडवेस्ट विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 175 रन बनाए। टीम के बल्लेबाजों ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया, जिसने लखनऊ विश्वविद्यालय के गेंदबाजों को दबाव में डाल दिया। 175 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम शुरुआती ओवरों में ही दबाव में आ गई। हालांकि टीम ने कुछ अच्छे साझेदारियां करने की कोशिश की, लेकिन मिडवेस्ट के गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय को 20 ओवर में नौ विकेट पर 117 रन पर रोक दिया। उप विजेता लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा ने नेपाली करेंसी में 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि, पदक और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि हमारी टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना के साथ प्रदर्शन किया और उप विजेता बनने पर गर्व है।

LOKSATYA PAGE 3

कैंसर से लेकर हृदय रोगों तक वैज्ञानिकों ने किया मंथन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में जुटे 500 से अधिक वैज्ञानिक

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 30 वें आईएससीबीसी अंतराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के 500 से अधिक वैज्ञानिक हिस्सा ले रहे हैं। 27 से 29 जनवरी तक विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में आयोजित सम्मेलन में विभिन्न रोगों और उनपर चल रहे शोध के बारे में जानकारों ने बताया। स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज, कार्डिफ विश्वविद्यालय के प्रो. दीपक पी रामजी ने हृदय संबंधित बीमारी एथेरोस्क्लेरोटिक कार्डियोवैस्कुलर डिजीज के बारे में बताया जो दुनिया भर में मौत की तीसरी सबसे बड़ी वजह बन रही है।

मोटापा, मधुमेह, और हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया और इनके उपचार की सीमाओं पर चर्चा की गई। जिनमें दवाओं के परीक्षणों में विफलता और दुष्प्रभाव शामिल हैं। प्राकृतिक उत्पादों जैसे पॉलीअनसैचुरेटेड फैटी एसिड और पॉलीफेनोल्स के सुरक्षात्मक प्रभावों पर केंद्रित शोध के बारे में बताया। वारसॉ विश्वविद्यालय, पोलैंड के कैरोल ग्रीला ने रूथेनियम-केटैलेज्ड ओलेफिन मेटेथेसिस पर चर्चा की। जिसका उपयोग फार्मास्यूटिकल और टार्गेट-ओरिएंटेड सिंथेसिस में किया जा सकता है।

उन्होंने तीन नई विधियों को प्रस्तुत किया जिनसे वर्तमान चुनौतियों का समाधान मिल सकता है। प्रो. आलम नूर-ए-कमल, बायोलॉजी, मेडगर एवर्स कॉलेज, न्यूयॉर्क ने कैंसर पर के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। प्रो. रचना सादाना, यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, डाउनटाउन ने कैंसर के इलाज के लिए नए अणुओं के डिजाइन और परीक्षण के बारे में बताया। प्रो. हेपेटाइटिस से लीवर सिरोसिस और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने शोध पर चर्चा किया। प्रो. विरेंद्र एन पांडे ने फ्यूज बाईडिंग प्रोटीन 1 की भूमिका पर प्रकाश डाला। जो हेपेटाइटिस से लीवर

कार्यक्रम में डॉ. विनय त्रिपाठी, रूस के डॉ. लिनोइड जी वोस्करेसनकी और ग्रीस के वैज्ञानिक डॉ. एथीना एथनोसिआस को सम्मानित किया गया।

ये किए गए सम्मानित

डॉ. विनय त्रिपाठी, मास्को रुस से आए डॉ. लिनोइड जी वोस्करेसनकी और ग्रीस से आए वैज्ञानिक डॉ. एथीना एथनोसिआस को सम्मानित किया गया।

चर्चा में लिया हिस्सा

प्रो. लियोनिद जी. वोस्क्रेसेंस्की ने फार्माकोफोर ग्रुप्स वाले नाइट्रोजन युक्त अणुओं की सिंथेसिस के बारे में बताया। प्रो. एरिक वी. वैन डेर ऐकेन ने स्मॉल हेटेरोसायकल्स की सिंथेसिस के लिए हल्के प्रतिक्रियात्मक तरीकों पर अपना व्याख्यान दिया। इसके अलावा सम्मेलन में 43 आमंत्रित वार्ता, 39 मौखिक प्रस्तुतियों, और 50 पोस्टर प्रस्तुतियां की गईं।

एलयू ने सेमीफाइनल मुकाबले में ढाका विश्वविद्यालय को किया पराजित

क्रिकेट

- त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल के मुख्य ग्राउंड पर हुआ मुकाबला

लखनऊ, लोकसत्य। जय नेपाल टी-20 कप इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल के मुख्य ग्राउंड पर हुए इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच लखनऊ विश्वविद्यालय एवं मिडवेस्ट विश्वविद्यालय के बीच में खेला गया। लखनऊ विश्वविद्यालय ने सेमीफाइनल मुकाबले में ढाका विश्वविद्यालय की टीम को पराजित करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी एवं मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने सेमीफाइनल मुकाबले में त्रिभुवन यूनिवर्सिटी को टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया एवं निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 175 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 117 रन बनाए। इस प्रकार मिडवेस्ट विश्वविद्यालय ने लखनऊ विश्वविद्यालय को 58 रन से पराजित किया। उपविजेता के रूप में लखनऊ विश्वविद्यालय को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा द्वारा नेपाली करेंसी में 10 लाख रुपए की पुरस्कार राशि, मेडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा किए गए शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

TOI PAGE 3, 11

New research offers hope for Parkinson's

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: New medical techniques can prove helpful in the treatment of Parkinson's disease, said experts at the ISBC conference. "Molecular hybridization technique offers a novel approach to enhancing efficacy, overcoming drug resistance, and minimizing side effects.

Despite challenges like synthetic selectivity and economic viability, this strategy has shown promise in addressing limitations in current treatments for infectious and neurological diseases," said Kumaun University Vice Chancellor Diwan S Rawat. He further said: "A study of over 700 molecules targeting Nurr1 activation, a protein crucial for dopamine neuron survival. These molecules not only activate Nurr1 but also inhibit Alpha-synuclein aggregation and promote autophagy, addressing key aspects of Parkinson's pathology."

"Preclinical studies in mice demonstrated that these compounds effectively combat Parkinson's disease without toxicity," he said.

Cricket tourney: LU finish runners-up

Lucknow: Lucknow University finished their campaign as runners-up, losing to Mid-West University, Nepal, in the final match of the Jay Nepal Cup T20 International Inter-University Cricket Tournament at the Tribhuvan

University ground in Kathmandu on Tuesday. Electing to bat first, Mid-West University posted a challenging total of 175 runs for the loss of six wickets in their allotted 20 overs. In reply, LU managed only 117 runs for the loss of nine wickets in their quota of overs, falling short by 58 runs. Former prime minister of Nepal, Sher Bahadur Deuba, presented a cash prize of Rs 10 lakh to the LU team. TNN